RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 14 जुलाई 2023 | वर्ष 05 | अंक 82 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

बॉम्बे हाई कोर्ट से NCP नेता नवाब मलिक को तगड़ा झटका !

मुंबई : महाराष्ट्र से मिली खबर के अनुसार, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में NCP नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की जमानत याचिका आज बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। जानकारी दें कि, नवाब मलिक ने मेडिकल आधार पर बॉम्बे हाई कोर्ट से अपनी जमानत की मांग की थी।

गौरतलब है कि, मलिक ने बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मांगी थी और उनकी याचिका अगले आदेश के लिए सुरक्षित रख ली गई थी। पता हो कि, NCP नेता को बीते साल 2022 फरवरी में गिरफ्तार किया गया था। वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं और मुंबई के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। इसके पहले विशेष अदालत ने पहले मलिक को यह कहते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया था

जमानत याचिका खारीज

कि वह अपने परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी के माध्यम से दोषपूर्ण संपत्ति पर लगातार कब्जा कर रहे हैं। जानकारी दें कि, इससे पहले ED ने भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और NCP नेता नवाब मलिक के खिलाफ बीते सोमवार को यहां एक अदालत में तय आरोप पेश किया था। विशेष लोक अभियोजक सुनील गोंसाल्वेस ने विशेष न्यायाधीश आरएन रोकाडे के समक्ष आरोपों का मसौदा दायर किया गया था। तब जेल में बंद मलिक के अलावा मामले में तीन अन्य आरोपियों के खिलाफ तय आरोप दायर किए गए और इस मामले को 24 जुलाई को सुनवाई तक स्थगित कर दिया गया था।

मुंबई में ड्रग्स तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ !

2 नाइजीरियन सहित 7 गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने 2 नाइजीरियन सहित नशे के सौदागरों के एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है ,जिसका नेटवर्क मुंबई-पुणे और गोवा तक फैला था. इस गिरोह की एक महिला मुंबई से ड्रग्स सप्लाई के लिए रोज रात को पुणे बस या टैक्सी से अकेले जाती और फिर वापस भी आ जाती थी. पुलिस ने मामले मे 7 लोगों को पकड़ कर एमडीएमए और कोकिन भी बरामद किए हैं.मुंबई पुलिस के अनुसार नशे के सौदागरों के इस गिरोह का नेटवर्क मुंबई-पुणे और गोवा तक फैला था और गिरोह की सरगना कोई और नही मुंबई के पॉस इलाके केम्प्स कॉर्नर में रहने वाली पूर्व स्कूल शिक्षिका है. जिसकी पहचान सुकोरिना फर्नांडिस के रुप में हुई है. 58 साल की सुकोरीना पुणे में ड्रग्स डिलीवरी के लिए खुद अकेले बस या टैक्सी से जाती थी, वो भी रात में अकेले जाती और डिलिवरी देकर तुरंत वापस भी आ जाती है.

पुलिस के मुताबिक नशे की तस्करी में सुकोरिना के साथ उसका बेटा भी शामिल था. दोनों मालाड की एक महिला अंजू विजय पॉल उर्फ मेरी आंटी से ड्रग्स लेकर पुणे और गोवा तक सप्लाई करते थे.

मुंबई पुलिस को धमकी भरा मिली कॉल, कहा- सीमा हैदर पाकिस्तान नहीं लौटी तो 26/11 जैसे हमले के लिए तैयार रहें

मुंबई : पाकिस्तान छोड़कर भारत आई सीमा गुलाम हैदर को लेकर मुंबई पुलिस को एक कॉल के जरिये धामी दी है। मुंबई पुलिस ने गुरुवार (13 जुलाई) इस बारें में जानकारी दी। मुंबई पुलिस ने बताया कि कंट्रोल रूम को कल एक धमकी भरा फोन आया था। जिसमें फोन करने वाले ने पुलिस को धमकी दी कि अगर पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर पाकिस्तान नहीं लौटी तो 26/11 के आतंकवादी हमले के लिए तैयार रहें। मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच इस मामले की जांच में जुटी है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर को उत्तर प्रदेश के नोएडा के रहने वाले सचिन मीणा से ऑनलाइन गेमिंग के दौरान प्यार हो गया था। जिसके बाद सीमा अपने चार बच्चों के साथ पाकिस्तान से भागकर नेपाल के रास्ते भारत आ गई।

ऑनलाइन गेम खेलते हुए मिले

वहीं, नोएडा के रहने वाले सचिन ने बताया कि वे दोनों ऑनलाइन गेम पबजी खेलते हुए 2019 में एक-दूसरे के संपर्क में आए थे। दोनों के बीच पहले दोस्ती और फिर प्रेम हुआ। सचिन ने यह भी बताया कि वे इसी साल मार्च महीने में नेपाल में मिले थे। जहां उन्होंने शादी कर ली थी। फिर दोनों अपने-अपने देश वापस लौट गए थे। सीमा हैदर बीती 13 मई को नेपाल के रास्ते भारत में आई और सचिन के साथ रहने लगी।

सीमा हैदर ने बताया जान को खतरा

सीमा हैदर के पहले पति ने भारत सरकार से उसकी पत्नी और बच्चों को वापस भेजे जाने की अपील की है। हालांकि, सीमा ने कहा कि अगर उसे वापस पाकिस्तान भेजा गया तो वहां उसकी हत्या कर दी जाएगी। सीमा ने यह भी कहा कि उसने अपनी मर्जी से हिंदू धर्म अपनाकर सचिन से शादी की है।

नवी मुंबई को नशा मुक्त शहर बनाने उठाएंगे सख्त कदम: पुलिस कमिश्नर मिलिंद भारंबे

नवी मुंबई : शहर की जनसंख्या की तुलना में यहां पर अपराध का ग्राफ काफी कम है, इसके अलावा नवी मुंबई में लॉ एंड आर्डर की भी कोई समस्या नहीं है, इसलिए नवी मुंबई में काम करना अच्छा लग रहा है। यह बात नवी मुंबई के पुलिस कमिश्नर मिलिंद भारंबे ने खास बातचीत में कही। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में अधिकांश लोग मध्यम वर्ग के रहते हैं, जो अपने काम से मतलब रखते हैं, इसलिए

नवी मुंबई में मुंबई की तरह क्राइम नहीं है। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में झोपड़पट्टी आबादी काफी कम है, इस कारण नवी मुंबई में लॉ एन्ड आर्डर की कोई समस्या नहीं है।

पुलिस प्रशासन की रहती है पैनी नजर...

उन्होंने बताया कि उनका प्रयास है कि नवी मुंबई में शांति व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए उन्होंने पूरे पुलिस प्रशासन को सतर्क रखा है। नवी मुंबई में शैक्षणिक संस्थान अधिक हैं इसलिए नशीले पदार्थ बेचने वालों की नजर में नवी मुंबई शहर भी है, इस पर उन्होंने कहा कि नवी मुंबई शहर को नशा मुक्त शहर बनाने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है। मादक पदार्थ बेचने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। नशीले पदार्थों को जब्त किया जा रहा है।

मादक पदार्थ तस्कर युवाओं को कर रहे टार्गेट

उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ बेचने वाले लोग युवाओं को टारगेट कर रहे हैं, इसलिए नवी मुंबई पुलिस और भी सख्त कदम उठाने पर विचार कर रही है, जिस पर जल्द ही अमल करना शुरू कर दिया जायेगा। शहर में खुलेआम की जा रही गुटखे की बिक्री के सन्दर्भ में पुलिस कमिश्नर ने कहा कि तम्बाकू जन्य सामान की बिक्री पर राज्य सरकार ने पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन गुटखा बिक्री की शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन गुटखा बेचने वालों पर समय-समय पर कार्रवाई करता है, फिर भी इसकी बिक्री पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लग पा रहा है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

ध्वस्त होता लोकतंत्र

बंगाल में पंचायत चुनाव के नतीजे आने के बाद भी हिंसा जारी रहने पर हैरानी नहीं, क्योंकि ऐसा होना इस राज्य का राजनीतिक चरित्र बन गया है। ध्यान रहे कि बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव के बाद भी भीषण हिंसा हुई थी। तब भी दर्जनों लोग मारे गए थे, लेकिन ममता सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा था। इस बार भी ऐसी ही स्थिति है। बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन शुरू होते ही हिंसा और हत्याओं का सिलसिला कायम हो गया था, जो मतदान के दिन तक जारी रहा। आम तौर पर मतदान खत्म होते ही हिंसा का दौर समाप्त हो जाता है, लेकिन बंगाल अपवाद है। वहां नतीजे आने के बाद भी हिंसक गतिविधियां जारी रहती हैं और उनमें लोग मारे भी जाते हैं। चुनाव बाद हिंसा में अभी तक चार लोग मारे जा चुके हैं। इसकी भरी-पूरी आशंका है कि हिंसा और हत्या का यह दौर थमने वाला नहीं है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा की संस्कृति इतना विकृत रूप ले चुकी है कि विरोधी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर ही हमले नहीं होते, उन मतदाताओं को भी निशाना बनाया जाता है, जिन पर यह संदेह होता है कि उन्होंने किसी विपक्षी दल को वोट दिया है। बंगाल में ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि न तो सत्तारूढ़ दल चुनावी हिंसा रोकने की कोई इच्छाशक्ति दिखाता है और न ही पुलिस। बंगाल पुलिस चुनावी हिंसा के समक्ष मूकदर्शक बनना ही पसंद करती है।

बंगाल में हर चुनाव हिंसा और भय के साये में होते हैं। चुनावों के दौरान विरोधी दलों के प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को डराने-धमकाने के लिए जमकर बम-बंदूकों का इस्तेमाल होता है। ऐसे माहौल में होने वाले चुनाव लोकतंत्र को निरर्थक ही साबित करते हैं। चुनावों की पहली शर्त है कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष होने के साथ ऐसे वातावरण में हों, जिसमें न तो हिंसा की आशंका हो और न ही इसकी कि नतीजों के बाद जीतने या हारने वाले बदला लेने पर उतारू हो जाएंगे। बंगाल में चुनाव की इस बुनियादी शर्त का कोई मतलब नहीं रह गया है, क्योंकि वहां कोई भी चुनाव हिंसा और भय के साये के बगैर हो ही नहीं पाता।

क्या ऐसे माहौल में होने वाले चुनाव लोकतंत्र को कोई शक्ति प्रदान कर सकते हैं? वास्तव में आतंक के साये में होने वाले चुनाव और उनसे हासिल नतीजे लोकतंत्र का केवल उपहास ही नहीं उड़ाते, बल्कि उसे निरर्थक भी साबित करते हैं। पंचायती राज व्यवस्था के तहत पंचायत चुनाव इसलिए कराने शुरू किए गए थे, ताकि प्रशासनिक शक्तियों का विकेंद्रीकरण करने के साथ ग्रामीण विकास को बल दिया जा सके। बंगाल में जैसे घोर अराजक माहौल में पंचायत चुनाव हुए, उसे देखते हुए नीति-नियंताओं को इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि आखिर बम-बंदूकों के साथ होने वाले चुनावों से लोकतंत्र को क्या हासिल हो रहा है?

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

जीएसटी को पीएमएलए एक्ट के दायरे में लाने पर व्यापारियों में भारी आक्रोश...

मुंबई : केंद्र सरकार ने गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) अर्थात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दायरे में शामिल कर लिया है। इससे टैक्स चोरी और बिल में हेराफेरी करने वालों के खिलाफ अब ईडी के तहत कड़ी कार्रवाई की जा सकेगी। सरकार के इस फैसले को लेकर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में व्यापारियों के बीच भारी आक्रोश है। इस फैसले से मोदी सरकार ने हर व्यापारी को 'चोर' की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। इस फैसले के आने के बाद हर व्यापारी के साथ 'चोर' जैसा व्यवहार करने का पूरा अधिकार मोदी सरकार को मिल गया है, जिसका देशभर में व्यापारी खुलकर विरोध कर रहे हैं। जीएसटी को ईडी कार्रवाई के दायरे में लाने पर व्यापारियों में भारी नाराजगी है। इसे लेकर कई व्यापारी संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है तो वहीं विपक्ष भी व्यापारियों के साथ दुर्व्यवहार की संभावना को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति बना रही है। व्यापारी नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार जब से आई है, व्यापारियों पर ही जुल्म कर रही है। जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाने का केंद्र सरकार का फैसला गलत है। हम व्यापारी खुलकर उसका विरोध करते हैं। व्यापारी लोग चोर नहीं हैं, जो उन पर ईडी कार्रवाई करेगी। व्यापारी महेंद्र जैन ने कहा कि जीएसटी वैसे ही एक जटिल प्रक्रिया है। व्यापारी बेचारे परेशान होते हैं, इसे लेकर व्यापारियों में भारी निराशा है। अब जीएसटी के ईडी के दायरे में आने से व्यापारियों को तकलीफ हो सकती है। एक अन्य व्यापारी ने कहा, यह सीधे-सीधे व्यापारियों पर हमला है। सरकार को इतना ही चोरी बचाने का प्रयास करना है तो सरकारी अधिकारियों को भी ऐसे ही जांच के दायरे में लाया जाए।

बता दें कि ७ जुलाई को केंद्र सरकार ने एक अध्यादेश जारी कर जीएसटी को उन संस्थाओं में से एक बना दिया है, जिन्हें पीएमएलए के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट के साथ जानकारी शेयर करना अनिवार्य होगा। किसी भी व्यापारी के जीएसटी में गड़बड़ी होने पर ईडी उनके घर और कार्यालय पर छापा मारकर जांच कर सकेगी। ऐसे में आरोपी व्यापारियों को लंबे समय तक जेल में भी रहना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार के इस अध्यादेश का व्यापारियों के साथ ही कांग्रेस, आम आदमी पार्टी समेत विपक्ष के कई दल विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने सरकार के इस फैसले की तुलना आतंकवाद से की है। सिंघवी ने कहा कि पीएमएलए में जीएसटी लगाकर सरकार छोटे बिजनेस को नियंत्रित करना चाहती है। सरकार ईडी का कितना दुरुपयोग करती है, ये तो सब जानते हैं। यह टैक्स आतंकवाद के जैसा है। आम चुनाव करीब हैं, उसमें आतंक फैलाने के लिए एक नया औजार खोजा गया है।

सड़क पर गड्ढे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे - मनपा आयुक्त

ठाणे : ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में सड़कों और पुलों का प्रबंधन मनपा सहित विभिन्न सरकारी निकायों द्वारा किया जाता है। लेकिन सड़क के गड्ढों को देखते हुए मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर ने बिना किसी का इंतजार किए नागरिकों की असुविधा को दूर करने के लिए सबसे पहले सड़क की मरम्मत करने का आदेश सार्वजनिक निर्माण विभाग को दिया। आयुक्त ने अधिकारियों को चेताया और कहा कि सड़क पर गड्ढे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और गड्ढों को भरने का काम युद्धस्तर पर किया जाए। अपनी-अपनी सीमा में आनेवाली सभी सड़कों का निरीक्षण किया जाए और जहां आवश्यक हो मरम्मत की योजना बनाई जाए। मरम्मत के बाद इंजीनियर स्वयं सुनिश्चित करें कि कहीं गड्ढे नजर न आएं। साथ ही अन्य व्यवस्थाओं के अधिकारी भी अपनी-अपनी सड़क सीमा में गड्ढों का सर्वे करें। आयुक्त ने कहा कि एमएसआरडीसी और लोक निर्माण विभाग के नितिन कंपनी-वैष्ठबरी जंक्शन फ्लाईओवर, माजीवाड़ा फ्लाईओवर, भिवंडी-नासिक रोड, घोड़बंदर रोड, वाघबिल में सड़क की स्थिति की बारीकी से निगरानी करनी चाहिए। खासकर नासिक रोड की तुरंत मरम्मत की जानी चाहिए। आयुक्त ने कहा, अगर यातायात जाम होता है तो इसका सीधा असर शहर के यातायात पर पड़ता है। मैस्टिक पद्धति से भरे जाएंगे गड्ढे ठाणे मनपा क्षेत्र में सड़क मरम्मत के लिए मैस्टिक पद्धति अपनाई जा रही है। इसके अब तक अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। मनपा आयुक्त ने मेट्रो, लोक निर्माण विभाग और एमएसआरडीसी को भी यही विकल्प अपनाने का सुझाव दिया। आयुक्त ने कहा कि सड़क खराब पाए जाने पर १२ घंटे के भीतर यदि उसकी मरम्मत इस तकनीक द्वारा की जाए तो रिजल्ट अच्छा आता है।

घाटकोपर-अंधेरी लिंक रोड पर अवैध पार्किंग व कचरे का अंबार...

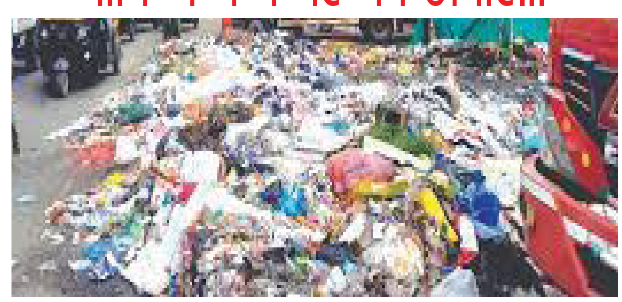

मुंबई : घाटकोपर से अंधेरी को जोड़नेवाली मुख्य सड़क पर हमेशा ट्रैफिक जाम लगा रहता है। गाड़ियां तो इस जाम में फंसी ही रहती हैं लेकिन साथ ही पैदल चलनेवाले लोगों को भी रास्ता नहीं मिल पाता है। साकीनाका के तिलक नगर के पास इस मुख्य सड़क पर कचरे का अंबार लगा हुआ है, जिस वजह से यहां जाम लगा रहता है। दोपहर का सामना' की सिटीजन रिपोर्टर मनीषा जोशी ने यहां की वर्तमान स्थिति की तस्वीर भी भेजी है, जिसमें साफ दिख रहा है कि किस तरह से अवैध पार्किंग और कचरे के ढेर की वजह से यह सड़क आधी हो गई है। इस मामले पर स्थानीय लोग मनपा और ट्रैफिक पुलिस को जिम्मेदार मानते हैं। साकीनाका के 'बज्मे इंसानियत वेल्फेयर एसोसिएशन' के संस्थापक अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान सिद्दीकी ने बताया कि घाटकोपर-अंधेरी लिंक रोड पर तिलक नगर के ठीक सामने कचरे के ढेर के कारण राहगीरों, स्कूल-कॉलेज जानेवाले विद्यार्थियों और वरिष्ठ नागरिकों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फुटपाथ गायब हो चुका है, भविष्य में कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। इन शिकायतों को लेकर एसोसिएशन की ओर से जल्द ही मनपा आयुक्त और ट्रैफिक विभाग को पत्र लिखा जानेवाला है। वैसे यह रोज की बात हो चुकी है। शिकायत मिलने के बाद प्रशासन नाममात्र की कार्रवाई करती है और उसके बाद स्थिति जैसे थे' वाली हो जाती है, ऐसा आरोप स्थानीय लोगों ने लगाया है।

मुंबई में दो अलग-अलग मौकों पर नाबालिग से किया दुष्कर्म,

एक महिला समेत 3 पर मामला दर्ज

मुंबई : मुंबई के काशीमीरा क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि मुंबई पुलिस ने एक महिला सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ कथित दुष्कर्म की जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार, काशीमीरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376, 376(2)(एन), 109 और 114 के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और तीनों आरोपी को पकड़ने के लिए तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि नाबालिग पीड़िता को दो अलग-अलग मौकों पर धमकी भी दी गई और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी महिला, जिसकी पहचान पूजा यादव के रूप में की गई है, जो उसी इलाके में रहती है, जहां लड़की रहती है, पीड़िता को लालच देकर दूसरे आरोपी, श्रीकांत यादव के घर ले गई, जहां उसने लड़की को धमकाया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

मुंबई में महिला के खिलाफ अपराध पर लगेगा लगाम...

'निर्भया स्क्वाड' को मिली 40 नई कारें और 200 बाइक

मुंबई : मुंबई पुलिस की निर्भया स्क्वाड को मंगलवार को 40 नई कारें और 200 मोटरसाइकिलें मिलीं. इस टीम को विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ अपराधों को संबोधित करने और रोकने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है. निर्भया दस्ता पुलिस स्टेशनों से रवाना होकर शहर भर में दैनिक गश्त करता है. उन्हें दिन में तीन बार संवेदनशील इलाकों में गश्त करने का काम सौंपा गया है. दस्ते में महिला अधिकारी शामिल हैं, जिनमें एक अधिकारी, दो कांस्टेबल और एक ड्राइवर शामिल हैं. इस दस्ते का गठन महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न, उत्पीड़न, रेप, एसिड हमले, पीछा करना, छेड़छाड़ आदि सहित विभिन्न अपराधों पर रोक लगाने के लिए किया गया था.

महिलाओं के खिलाफ कम होंगे अपराध?

यह महिलाओं के बीच सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, कार्यस्थलों और अन्य क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करता है. फिलहाल 91 निर्भया स्क्वॉड हैं. नागरिक या पीड़ित हेल्पलाइन नंबर 103 डायल करके सीधे उन तक पहुंच सकते हैं. बीट मार्शल पुलिस को अपराध स्थलों तक पहुंचने में लगने वाले समय को कम कर देंगे. मार्शलों को सचेत करके वे बाइक में तेजी से यात्रा कर सकते हैं. स्टेशनों पर तैनात पुलिस के विपरीत, मार्शल ज्यादातर चौकियों और सड़क पर गश्त करते हुए पाए जाते हैं.

देवेंद्र फडणवीस ने दिखाई हरी झंडी

उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, जिनके पास गृह विभाग है, ने पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर और विशेष आयुक्त देवेन भारती की उपस्थिति में, दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट से वाहनों को हरी झंडी दिखाई. मारुति अर्टिगा एमयूवी एक वाहन ट्रैकिंग सिस्टम के साथ आती है जिसका उपयोग नियंत्रण कक्ष और क्षेत्रीय नियंत्रण कक्ष द्वारा ट्रैक और मॉनिटर करने के लिए किया जाएगा.

नागपुर की रेड लाइट एरिया में रेड, 19 महिलाएं पकड़ी गईं

नागपुर : नागपुर पुलिस ने बुधवार को शहर के रेड लाइट एरिया गंगा-जमुना में छापेमारी की और लगभग 19 महिलाओं को हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस ऑपरेशन में 100 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे। ऑपरेशन शुरू करने से पहले इलाके की घेराबंदी कर दी गई थी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इसके बाद गंगा-जमुना इलाके में गहन तलाशी ली गई, लेकिन कोई नाबालिग लड़की नहीं मिली। मौके से वेश्यावृत्ति में शामिल 19 महिलाओं को हिरासत में लिया गया है।

मुंबई में 2.9 लाख रुपये के 2 पर्स चोरी करने के आरोप में 4 गिरफ्तार : पुलिस

मुंबई : दक्षिण मुंबई में अमेरिका में पढ़ रही एक छात्रा की कार से 2.9 लाख रुपये के दो महंगे पर्स चुराने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि घटना रविवार शाम को लोहार चॉल में हुई जब छात्रा अपने माता-पिता के साथ कुछ घरेलू सामान खरीदने गई थी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता 2017 से अमेरिका में पढ़ाई कर रही है और अपने वीजा के नवीनीकरण के लिए मुंबई में है। अधिकारी ने कहा, बाजार जाने से पहले छात्रा ने अपने महंगे पर्स कार के अंदर रखे और जब वह वापस लौटी तो उन्हें गायब पाया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पर्स में महत्वपूर्ण दस्तावेज और कुछ नकदी थी। छात्रा ने लोकमान्य तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ चोरी का अपराध दर्ज किया गया था। अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान, पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और चार संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि बाद में सभी चार लोगों को पकड़ लिया गया और उनके पास से चोरी का सामान बरामद कर लिया गया।

बीमार बच्ची की खराब सड़क के कारण समय पर अस्पताल न पहुंच पाने से मौत

पालघर : पालघर जिले के आदिवासी बहुल विक्रमगढ़ तालुका के एक गांव की दो महीने की बीमार बच्ची की अस्पताल पहुंचने में देरी के कारण रास्ते में ही मौत हो गई। उसके माता-पिता कथित तौर पर उचित सड़क के अभाव के कारण निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) तक समय पर नहीं पहुंच पाए। परिवार ने यह जानकारी दी। बच्ची को गोद में लेकर नदी पार कर पीएचसी पहुंचने की कोशिश कर रहे परिवार के सदस्यों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। विक्रमगढ़ तालुका के चिकित्सकीय

अधिकारी डॉ. संदीप निंबालकर ने इस संबंध में पूछे जाने पर कहा कि बच्ची की मौत निमोनिया के कारण बुधवार को हो गई। इस 150 लोगों की आबादी वाले गांव में कोई उचित संपर्क सड़क नहीं है। इसलिए माता-पिता को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने के लिए भारी बारिश में एक अन्य रास्ते से जाना पड़ा। नदी पार करने के लिए उन्होंने लकड़ी के तख्तों का इस्तेमाल किया। बच्ची के पिता नरेश चव्हाण ने बताया कि वे अपनी बच्ची को बचा नहीं सके और पीएचसी पहुंचने से पहले, रास्ते में उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से नदी पर पुल बनाए जाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी गुहार किसी ने नहीं सुनी। गांव की 'आशा' (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कार्यकर्ता ममता दिवा ने पीएचसी में पत्रकारों से कहा कि 2013 से स्थानीय निवासी गांव के लिए एक संपर्क सड़क के निर्माण की मांग कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में किसकी बनेगी सरकार, किसको मिलेंगी कितनी सीटें, ताजा सर्वे में खुलासा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की राजनीति में मचा सियासी बवाल अभी भी जारी है. शिवसेना और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी में फूट के बाद कांग्रेस को लेकर भी इस तरह की बातें हो रही हैं. हाल ही में दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान के साथ प्रदेश के नेताओं की बैठक भी हुई है. इस बीच महाविकास अघाड़ी को परेशानी करने वाला एक सर्वे सामने आया है. महाराष्ट्र में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है, जिसे लेकर किए गए सर्वे में एमवीए सरकार बनाने से काफी दूर नजर आ रही है.

2019 के चुनाव में बीजेपी और शिवसेना ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन सीएम की कुर्सी को

लेकर खींचतान के बाद दोनों अलग हो गए. तब शिवसेना ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ हाथ मिलाया और उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बन गए. पिछले साल शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट के 40 बागी विधायकों के बीजेपी से हाथ मिलाने के बाद एमवीए की सरकार गिर गई और एकनाथ शिंदे सीएम बने. अब जो सर्वे सामने आया है उसके मुताबिक, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और बीजेपी फिर से सरकार बना सकते हैं. सर्वे में गठबंधन डेढ़ सौ से ज्यादा सीटों पर जीतता नजर आ रहा है.

2019 के चुनाव में बीजेपी ने जीती थीं 105 सीटें

सर्वे के मुताबिक, राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनर्माण सेना (मनसे) को 2 से 5 सीटें मिल सकती हैं और बाकी पार्टियां 22-28 सीटें जीत सकती हैं. 2019 के चुनाव में बीजेपी ने 164 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से 105 सीटें जीती.

अजित पवार या शरद पवार... असली एनसीपी किसकी?

महाराष्ट्र में शिवसेना की तरह एनसीपी में खींचतान...सी वोटर सर्वे में अजित पवार को मिले कम वोट

मुंबईः महाराष्ट्र की राजनीति बीते दिनों से एक बार फिर चर्चा में है। एनसीपी में बगावत हुई और भतीजे अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी छोड़ दी। वह एनसीपी के विरोधी दल बीजेपी में शामिल हो गए और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री बन गए। उनके साथ महाराष्ट्र के कई विधायक भी गए। अजित पवार ने एनसीपी पर अपना दावा ठोंक दिया। अब इसे लेकर मामला विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के पास पहुंचा है। एनसीपी किसकी है? इसे लेकर संविधान और कानून देखा जा रहा है। यह प्रकरण ठीक वैसा ही है जिस तरह उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना में हुआ, जब एकनाथ शिंदे बगावत करके शिवसेना के कई विधायक अपने साथ ले आए। अजित पवार और शरद पवार में एनसीपी को लेकर खींचतान है। इसी बीच एक सी वोटर सर्वे में निकलकर आया है कि पार्टी शरद पवार की ही है। बताया जा रहा है कि बीजेपी ने अजित पवार को अपने खेमे में लाकर शरद पवार को तोड़ने की कोशिश की। शरद पवार महाविकास आघाड़ी और केन्द्र में गैर बीजेपी और गैर कांग्रेस विपक्ष की एकजुटता में खास चेहरा हैं। लेकिन सी वोटर के सर्वे में असली एनसीपी किसकी? इस सवाल पर 66 प्रतिशत लोगों का मानना है कि यह शरद पवार की है।

58% ने माना शरद पवार फिर से खड़ी करेंगे पार्टी वहीं सर्वे में 58 प्रतिशत लोगों ने माना की शरद पवार अपनी टूटी पार्टी को फिर से खड़ा करने में कामयाब होंगे। एनसीपी से बगावत करके निकले शरद पवार को 10 दिन बीत गए हैं।

अजित पवार छूटे पीछे...

सी वोटर सर्वे में जहां शरद पवार को 66% लोगों ने एनसीपी का असली मुखिया माना तो वहीं अजित पवार को महज 25% लोगों ने वोट किया। महाराष्ट्र में एनसीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच दादा कहे जाने वाले अजित पवार के लिए यह बड़ा झटका हो सकता है। हालांकि महज 9% लोगों ने कहा कि वह कह नहीं सकते कि एनसीपी किसकी है।

मुंब्रा की बस्मा खान ने लड़कियों के टेलेंट को दिया बढ़ावा...

अफजल शेख

मुंब्रा : मुंब्रा कौसा का नाम जब भी लिया जाता है ये कहना गलत नही होगा हमेशा विवादो के लिए ही लिया जाता और यही सब मामले के बीच मुंब्रा की दूसरी तस्वीर जो बदलने का काम अपने टेलेंट के जरिए कोई करता है तो वो बस्मा खान जैसी युवतियां है, हाल ही में एक बेहतरीन प्रोग्राम के जरिए चर्चा में आई बस्मा ने अपनी टीम के साथ गुरुवार को यास्मित अपार्टमेंट में एक वूमेन एंपावरमेंट का इवेंट ऑर्गेनाइज किया जिसमे मुंब्रा कैसा की बहुत सी टैलेंटेड लड़किया शामिल हुई और इस प्रोग्राम में उनके टेलेंट को बढ़ावा दिया गया और सभी लड़कियों को सम्मान देकर उनको शुभकामनाएं दी गई बस्मा खान की टीम और उनके माता पिता के योगदान के चलते ही ये बेहतरीन प्रोग्राम बड़ा सफल रहा. बस्मा खान की जैसी बहुत सी लड़कियां है जो ऐसाहि प्रोग्राम के जरिए लड़कियों के टैलेंट को बढ़ावा देना चाहती है लेकिन अफसोस ऐसे प्रोग्राम को सपोर्ट करने के लिए कोई नेता और कोई ऐसा चहरा नही को इनको मोटिवेट करे, मुंब्रा कौसा में बहुत से ऐसे चेहरे है जिनमे बहुत से टेलेंट है लेकिन वो किसी को दिखा नही सकते उम्मीद करते है इस मामले को लेकर कोई न कोई प्लेटफॉर्म दिया जाएगा.

अमित शाह से मिले अजित पवार-प्रफुल्ल पटेल बोले-

केंद्र में मंत्री पद नहीं मांगा... महाराष्ट्र में जल्द होगा पोर्टफोलियो का बंटवारा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि ये एक शिष्टाचार मुलाकात थी। हमने केंद्रीय कैबिनेट में कोई पद नहीं मांगा है। उन्होंने आगे कहा कि सत्ताधारी गठबंधन में कोई फूट नहीं है। महाराष्ट्र में 1-2 दिनों में पोर्टफोलियो (मंत्रालयों) का बंटवारा हो जाएगा। 18 जुलाई को NDA गठबंधन के घटक दलों की मीटिंग बुलाई गई है। इस दौरान अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे।

CM- डिप्टी उट के साथ मीटिंग में हुआ पोर्टफोलिया बंटवारे का फैसला

पटेल ने कहा कि इसी हफ्ते सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फणनवीस के साथ हुई मीटिंग में पोर्टफोलियो के बंटवारे पर फैसला हो गया है। इसमें कुछ दिक्कतें तो आएंगी। फिलहाल, सभी पोर्टफोलिया भाजपा और शिंदे की शिवसेना के बीच बंटे हुए हैं। एनसीपी के मंत्रियों को विभाग देने के लिए इन दोनों पार्टियों को कुछ मंत्रालय छोड़ने होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार में शामिल होने के 4-5 दिनों तक हमने पोर्टफोलियो का मुद्दा नहीं उठाया था। कुछ ही दिन पहले हमने यह मुद्दा उठाया जिसके बाद हमने 3 मीटिंग की।

अजित गुट के 9 विधायकों ने ली थी मंत्रीपद की शपथ

2 जुलाई को अजित पवार 35 से ज्यादा विधायकों के साथ चाचा शरद पवार से बगावत कर भाजपा और शिवसेना (शिंदे) गठबंधन में शामिल हो गए थे। उसी दिन अजित समेत एनसीपी के 9 विधायकों ने मंत्रिपद की शपथ ली थी। इन मंत्रियों को अभी मंत्रालय मिलने बाकी हैं। बगावत के बाद शरद पवार राज्य के दौरे पर निकले। उन्होंने 8 जुलाई को नासिक के येवला में कहा कि मैंने कुछ लोगों पर भरोसा करके गलती की, वो गलती अब दोहराऊंगा नहीं। इससे पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि वे न तो टायर्ड (थके हुए) हैं और न ही रिटायर्ड हैं।

महाराष्ट्र में जोरों से चल रही लोकसभा चुनाव की तैयारियां...

निर्वाचन विभाग ने शुरू किया काम

महाराष्ट्र : एक तरफ जहांमहाराष्ट्र सरकार ने कैबिनेट विस्तार की तैयारी शुरू कर दी है, वहीं अब दूसरी ओर चुनाव आयोग ने भी इलेक्शन की तैयारियां शुरू कर दी है। जी हां महाराष्ट्र के 36 जिलों के करीब 1 लाख मतदान केंद्रों पर चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए दो लाख नई ईवीएम मशीनें लगाई गई हैं। आइए यहां जानते है महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पूरी जानकारी क्या है।

ऐसे में अब जानकारी सामने आ रही है कि इन एश्ट को हर जिला स्तर पर जिला कलेक्टरों को सौंपा गया है और अब राज्य चुनाव आयोग ने प्राथमिक स्तर पर इनका परीक्षण भी शुरू कर दिया है। इस समय लोकसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश और देशभर के राजनीतिक गलियारों में हलचलें चल रही हैं। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल

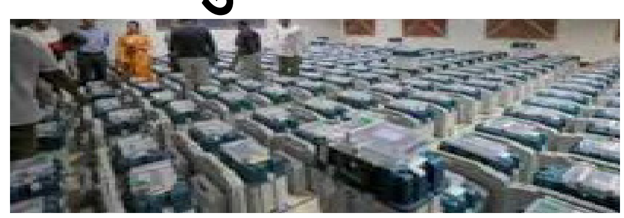

26 मई 2024 को समाप्त हो रहा है। उससे पहले चुनाव होंगे और नई लोकसभा अस्तित्व में आ जाएगी। महाराष्ट्र चुनाव आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीकांत देशपांडे ने कहा कि इस चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई है। आपको बता दें कि महाराष्ट्र में करीब एक लाख मतदान केंद्र हैं। इसके लिए दोगुनी मतपत्र इकाइयों (ईवीएम) की आवश्यकता होती है। वर्तमान में राज्य में 61 हजार पूर्णतः क्रियाशील बैलेट इकाइयां हैं। नये 1 लाख 92 हजार बैलेट यूनिट लिये गये हैं। महाराष्ट्र में कुल 2 लाख 53 हजार ऐसी बैलेट यूनिट हैं। 26 हजार पुरानी केंद्रीय इकाइयां हैं। नई 1 लाख 22 हजार केंद्रीय इकाइयां ली गई हैं। कुल एक लाख 48 हजार केंद्रीय इकाइयों को तैयार रखा गया है। इसी तरह 22 हजार पुरानी वीवीपैट मशीनें भी अच्छी हालत में हैं। 1.35 लाख नई वीवीपैट मशीनें खरीदी गईं। कुल 1.57 लाख इकाइयों को चुनाव के लिए तैयार रखा गया है. इन सभी ईवीएम का परीक्षण बीएचईएल अधिकारियों, कलेक्टर कार्यालय के अधिकारियों, चुनाव अधिकारियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के सामने किया जा रहा है।

उद्धव ठाकरे के 'कलंक' वाले बयान पर देवेंद्र फडणवीस से लेकर नितिन गडकरी तक, किसने क्या कहा?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र बीजेपी प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले की कड़ी आलोचना और चेतावनी के बावजूद, उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को न केवल उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के खिलाफ अपनी 'कलंक' वाली टिप्पणी दोहराई, बल्कि उसका बचाव भी किया. उद्धव ठाकरे पूछा, ''मैंने क्या गलत कहा? आप लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं. क्या यह उन्हें कलंकित नहीं कर रहा है? और फिर आप ऐसे लोगों को अपने मंत्रिमंडल में शामिल करते हैं. मैंने प्रवर्तन निदेशालय के छापों की तुलना अफजल खान द्वारा किए गए हमलों से भी की थी. क्या आप इन छापों से नेताओं और उनके परिवारों को कलंकित नहीं कर रहे हैं?'' ठाकरे ने पूछा,''

कलंक शब्द में ऐसी क्या खराबी है कि इसके बारे में इतना गुस्सा हो रहा है?''

क्या बोले देवेंद्र फडणवीस?

फड़णवीस ने तीखा पलटवार करते हुए ट्वीट किया कि उद्धव पीलिया से पीड़ित हैं इसलिए उन्हें हर चीज दागदार नजर आ रही है. ''जब आप किसी पर गलत काम करने का आरोप लगाते हैं और फिर उसके साथ भोजन करते हैं, तो यह एक धब्बा है. जब कोई बालासाहेब ठाकरे के लिए 'हिंदूहृदय सम्राट' के बजाय 'जनाब' का उपयोग करता है, तो यह एक कलंक है. जब आप वीर सावरकर को कोसने वालों के साथ सत्ता साझा करते हैं, तो यह एक धब्बा है.

जब राज्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वालों को जबरन वसूली का लक्ष्य दिया जाता है, तो यह एक कलंक है. जब कोई पार्टी कार्यकर्ता किसी उद्योगपति के घर के सामने बम रखता है और आप उसका बचाव करते हुए पूछते हैं कि क्या वह ओसामा बिन लादेन है, तो यह एक कलंक है. जब आप मुश्किल से दो साल में लोकतंत्र के मंदिर (विधानमंडल) में बैठते हैं और फिर दूसरों को लोकतंत्र पर उपदेश देते हैं, तो यह एक धब्बा है.''

क्या बोले नितिन गडकरी?

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी इस बयान की निंदा की. उन्होंने कहा, ''नेताओं को शब्दों का प्रयोग करते समय संयम बरतना चाहिए.'' इसी तरह, विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा, ''उद्धव ठाकरे परिवार और यहां तक कि मराठी माणूस के लिए एक 'कलंक' हैं. नागपुर में उनका भाषण महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति पर एक धब्बा था. बीजेपी विधायक नितेश राणे ने कहा कि उद्धव की छवि एक संस्कारी नेता की है, लेकिन अपने नवीनतम ''अपशब्दों'' से उन्होंने अपना स्तर दिखा दिया है. पूर्व सीएम के औचित्य पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, फड़नवीस ने कहा, ''मुझे यह जानकर दुख हुआ कि हमारे प्रतिद्वंद्वी और पूर्व मित्र वर्तमान राजनीतिक स्थिति के कारण गहराई से प्रभावित हुए हैं.

क्या बोले चंद्रशेखर बावनकुले?

इस बीच, बावनकुले ने आरोप लगाया, ''अगर उद्धव फड़नवीस का अपमान करते रहे, तो इससे राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है.'' उन्होंने सेना (यूबीटी) प्रमुख को फिर से चेतावनी दी है.

लॉज में बेड के नीचे सिर कटी लाश... बंदरों की वजह से यह केस सॉल्व

मुंबई : रायगड जिले का माथेरान इलाका सैलानियों के लिए काफी फेमस है। यहां वीकेंड पर मुंबई और आस-पास के लोग घूमने आते हैं। इस माथेरान के बाहरी इलाके में बसे इंदिरा नगर के साई लॉज में १२ दिसंबर २०२१ को दिल दहलाने वाली वारदात हुई थी। लॉज में बेड के नीचे एक ऐसी लाश मिला थी, जिसे देख सबके रोंगटे खड़े हो गए। इस वारदात का आरोपी अपनी एक गलती की वजह से पकड़ा गया। दरअसल, कातिल द्वारा फेंका गया एक बैग चतुर बंदरों के पास पहुंच गया और उन बंदरों की वजह से कातिल पुलिस के चंगुल में फंस गया। बंदरों की वजह से यह केस सॉल्व हो सका है। कहीं न कहीं बंदरों के जरिए इस सनसनीखेज हत्या का खुलासा हो सका है। बता दें कि पिछले दो वर्षों से इस हत्या का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट में गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। जल्द ही कोर्ट इस मामले में

सुनवाई कर सकती है।

दरअसल, १२ दिसंबर २०२१ के दिन हिल स्टेशन माथेरान के एक कॉटेज के बाथरूम में एक महिला की सिर कटी लाश मिली थी। महिला के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। इसकी सूचना कॉटेज के मालिक केतन रामणे ने पुलिस को दी। घटना की सूचना पाने के बाद सहायक पुलिस निरीक्षक संजय बांगड़ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो महिला के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था और सिर गायब था। यहां तक कि महिला की कलाई पर बने टैटू को भी किसी नुकीली चीज से छील दिया गया था, ताकि उसकी पहचान न हो सके।

'महाराष्ट्र में 100 मीटर की दौड़ लगा रहा तीन पैरों वाला जानवर'- कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कसा तंज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में अजित पवार की बगावत के बाद एनसीपी का एक धड़ा भी अब सरकार में शामिल हो चुका है. इससे पहले एकनाथ शिंदे ने शिवसेना को तोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया था, यानी अब कुल तीन दल मिलकर महाराष्ट्र की सत्ता चला रहे हैं. दोनों बड़े विपक्षी दलों के बागी विधायकों का सहारा लेते हुए महाराष्ट्र की सरकार चल रही है. इसे लेकर विपक्षी दल लगातार बीजेपी पर हमलावर हैं. इसी बीच कांग्रेस के सीनियर नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने महाराष्ट्र सरकार पर कटाक्ष किया है. जिसमें उन्होंने कहा कि ये सरकार उन्हें ''तीन पैरों वाले ऐसे जानवर'' की तरह लगती है जो 100 मीटर की दौड़

लगा रही है.

चिदंबरम ने कसा तंज

चिदंबरम ने शिवसेना (शिंदे गुट), एनसीपी (अजित पवार गुट) और बीजेपी की गठबंधन वाली सरकार पर तंज कसा और उसे एक तीन पैर वाला जानवर बता दिया. इसे लेकर पी चिदंबरम ने ट्विटर पर लिखा, ''महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री दावा करते हैं कि उनकी सरकार तिहरे इंजन वाली सरकार है. ये मुझे तीन पैरों वाले ऐसे जानवर की तरह लगती है जो 100 मीटर की दौड़ लगा रही है.''

अजित पवार की बगावत के बाद हलचल

महाराष्ट्र में दो जुलाई को एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) उस समय दो फाड़ हो गई जब उनके भतीजे अजित पवार और अन्य विधायक सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) गठबंधन में शामिल हो गए. अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री और आठ अन्य एनसीपी नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली. इसके बाद से ही विपक्षी नेता बीजेपी पर हमलावर हैं. विपक्ष आरोप लगा रहा है कि बीजेपी ईडी-सीबीआई का डर दिखाकर विधायकों को अपने पाले में खींचने का काम कर रही है.

नीलम गोर्हे ने पाला बदलने के बाद तोड़ी चुप्पी, उद्धव ठाकरे को लेकर कही ये बड़ी बात

मुंबई : विधान परिषद की उपाध्यक्ष और शिवसेना की नेता नीलम गोर्हे ने पाला बदलने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है और कहा है कि जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने तब से उनके साथ संवाद के सभी रास्ते बंद हो गए थे, जबकि अन्य सभी शिवसैनिकों की तरह उनकी भी तीव्र इच्छा थी कि उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनें। एक चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि जैसे सबको खुशी हुई थी, उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री बनने के बाद मैं भी खुश थी। गोर्हे ने कहा कि मुझे लगा कि उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री बनने के बाद पार्टी और पदाधिकारियों में मेल-जोल बढ़ेगा और पार्टी संगठन में तेजी आएगी, पर ऐसा नहीं हुआ और उनके बीमार होने के बाद चर्चा के दरवाजे बंद हो गए। पार्टी में संवाद की कमी हो गई थी। गोर्हे ने कहा कि उनकी पार्टी संगठन में उपेक्षा की गयी, फिर भी अगर उद्धव ठाकरे

मातोश्री बुलाते हैं तो मैं जाऊंगी, लेकिन उनके ग्रुप में शामिल नहीं होऊंगी। बीते शुक्रवार को ठाकरे गुट की सदस्य और विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोर्हे ने शिंदे गुट में प्रवेश कर लिया था। विधान परिषद की उपाध्यक्ष ने कहा कि जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे तो मैंने उन्हें एक पत्र लिखा था। नीलम गोर्हे ने कहा कि मैंने उनसे कहा कि उन्हें लोगों से मिलना चाहिए। लोगों को जितनी उम्मीद थी उतना समय उद्धव साहब ने नहीं दिया। इस समय भी ठाकरे गुट में संवाद की कमी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने शिंदे गुट का दामन किसी पद की इच्छा से नहीं थामा है। मैंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में काम करने का फैसला किया है, ताकि उन्हें और अधिक परेशानी न हो।

संजय राउत ने मेरी बहुत मदद की

संजय राउत ने मेरी बहुत मदद की है। मेरी विधायकी के दौरान उन्होंने मेरी मदद की थी। हालांकि उन्होंने सलाह दी कि संजय राउत को अमर्यादित बातें नहीं करनी चाहिए। रश्मि ठाकरे के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि अगर वो राजनीति में आती है तो उन्हें मेरी शुभकामनाएं।

गाडरवारा मे राजसात किए गए वाहनों की हुई नीलामी

गाडरवारा। जिला नरसिंहपुर के थाना गाडरवारा में 25 पुलिस एक्ट में जप्त 69 दो पहिया एवं गौवंश के अवैध परिवहन में राजसात 3 छः/दस पहिया वाहनों की हुई नीलामी, 13,71,000 नीलामी राशि प्राप्त। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश के पालन में जिला नरसिंहपुर अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिले के थानों में जप्त लावारिस वाहनों के संबंध में अभियान चलाया जाकर जप्त वाहनों की लगातार नीलामी की कार्रवाई सम्पन्न कराई जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 11.07.2023 को जिले के थाना गाडरवारा में लंबे समय से रखे लावारिस एवं क्षतिग्रस्त 72 वाहन वास्तविक स्वामी / दावेदार न होने से उक्त वाहनो को सुपुर्दनामा पर नहीं दिया गया था। क्षतिग्रस्त एवं लावारिस वाहनो को थाने में लंबे समय से खड़े होने के कारण उक्त वाहनो को धारा 25 पुलिस एक्ट में जप्त किया गया था। जप्तशुदा वाहनो की नीलामी की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाकर सोशल मीडिया, समाचार पत्रों, में आम इस्तहार जारी किया गया नीलामी प्रक्रिया को आगे बढाते हुए दिनांक 11.07.2023 को संपादित की गयी।

जिले के थाना गाडरवारा में कुल 69 दो पहिया एवं 3 चार पहिया वाहन किए गए नीलाम – दिनांक 11.07.2023 को थाना गाडरवारा में नीलामी प्रक्रिया में एसडीएम कार्यालय गाडरवारा से तहसीलदार प्रियंका नेताम एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी सहित थाना प्रभारी गाडरवारा, निरीक्षक राजपाल बघेल, चौकी प्रभारी, सालेचौका, उनि अभिषेक पटैल, चौकी प्रभारी, सीहोरा उनि वर्षा धाकड की उपस्थित में सम्पन्न की गयी जिसमे थाना गाडरवारा, चौकी सीहोरा, चौकी सालेचौका के धारा 25 पुलिस एक्ट में जप्तशुदा जप्त 69 दो पहिया एवं गौवंश के अवैध परिवहन में राजसात 3 छः/दस पहिया वाहनों की नीलामी की गयी जिसमे 13,71,000 रूपये नीलामी राशि प्राप्त।

सर्वब्राम्हण महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

गाडरवारा। प्रतिभा को उचित सम्मान दिया जाना और उसका उत्साहवर्धन करना यह सामाजिक संगठन का महत्वपूर्ण कार्य है। तभी प्रतिभाओं को उचित प्रोत्साहन मिलता है और प्रतिभा में अधिक निखार आता है। उक्ताशय के उदगार ककरा घाट में स्थापित मां पीतांबरा पीठ के स्वामी जी ने सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रतिभा सम्मान समारोह में अध्यक्षीय आसंदी से व्यक्त किए। गत दिवस पीजी कॉलेज के सभागार में सर्व ब्राम्हण महासभा ने उक्त कार्यक्रम आयोजित किया था। महाराजश्री ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वही विद्यार्थी सफल होता है जो बिना जगाने पर ही जाग जाता है। हमें सूर्य उदय के पहले उठकर विद्या अध्ययन करना चाहिए। पुराने समय में गुरु कुलों में इसी प्रकार विद्या अध्ययन होता था।

कार्यक्रम का प्रारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती, भगवान परशुराम एवं आदि शंकराचार्य के पूजन अर्चन के साथ हुआ। मंगलाचरण के रूप में श्री नर्मदा अष्टक का पाठ हुआ। इस अवसर पर कक्षा 10वीं 12वीं बोर्ड में 85 प्रतिशत या अधिक अंकों से उत्तीर्ण पचासी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। जिसमें विप्र समाज के अलावा अन्य समाज की मेधावी विद्यार्थी अनामिका पटेल पिता बालचंद पटेल एवं प्राची पटैल पिता पूरनलाल पटैल का विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर उच्चतम अंक लाने पर शेफाली मिश्रा, आयुषी दुबे, शिवानी दुबे, सौरभ चाचौंदिया, शशांक दुबे को प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच पर विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु विधायक पंडित संजय शर्मा, पूर्व विधायक साधना स्थापक, पं. दीनदयाल ढिमोले, नगर पालिका अध्यक्ष पंडित शिवाकांत मिश्रा, पं. डीके उपाध्याय, पं बसंत तिवारी, पं संतोष शर्मा , पं विनोद राजोरिया, जिला पंचायत सदस्य अंजू शुक्ला, डॉ उमाशंकर दुबे आदि की विशेष उपस्थिति रही।

जिन्होंने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन कर उन्हें प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए। इस अवसर पर नगर के दो विद्यार्थियों द्वारा सीए की परीक्षा पास करने पर भी उनका सम्मान किया गया। पंडित शांतनु शर्मा ने इस अवसर पर संत महिमा के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन पं सत्यप्रकाश बसेड़िया एवं पं सतीश नायक ने किया। मनीष स्थापक ने महाराज श्री के जीवन परिचय से अवगत कराया। इस अवसर पर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी श्अपने माता-पिता के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित थे। संस्कृत पाठशाला के मेधावी छात्रों को भी सम्मानित किया गया। अंत में आभार सर्व ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पं. राजीव दुबे ने किया। कार्यक्रम की सफलता, मेधावी छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष मधुकांत दुबे सहित समस्त पदाधिकारियों का सराहनीय सहयोग रहा।

जघन्य हत्याकांड की जांच एवं गुनाहगारों पर कार्यवाही करने जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

गाडरवारा। सकल दिगंबर जैन समाज समिति ने तहसील कार्यालय पहुंचकर कर्नाटक राज्य के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार प्रियंका तेगाम को सौंपा जिसमें उल्लेख किया गया है कि कर्नाटक में हुए जैन साधू जी के अपहरण एवं हत्याला के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए द्य बेलगाम के चिक्कोडी के पास हिरेकोडी में जैन साधु आचार्य श्री कामकुमार नंदी जी का 5 जुलाई को अपहरण कर अज्ञात स्थान ले जाकर 7 जुलाई को उनकी निशंस हत्या की सूचना मीडिया के माध्यम से हम सभी को प्राप्त हुई इस जघन्य हत्याकांड की खबर पाते ही पूरे देश का जैन समाज आक्रोशित है। सम्पूर्ण भारतवर्ष का दिगम्बर जैन समाज एवं श्री सकल दिगम्बर जैन समाज गाडरवारा इस पत्र के माध्यम से आपसे आग्रह करता है कि इस जघन्य हत्याकांड की जांच कराकर सभी गुनहगारों को कड़ी से कड़ी सजा दी जायें ताकि देश में कही भी ऐसी पुनरावृति न हो सके। ज्ञापन में निवेदन किया गया है कि कर्नाटक में अनेक जगह पर विराजित सभी जैन साधु-साध्वीयों की समुचित सुरक्षा हेतु ठोस कदम उठाये जाये। ज्ञापन देते समय श्री सकल दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जिनेश जैन, आलोक जैन, अनुज जैन, अरविंद जैन, राजेश जैन, आलोक जैन, आयुष जैन, अजय जैन, अमन जैन, संजीव जैन सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

हार्ट अटैक से छात्र की मौत

छतरपुर के डीसेंट पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा के छात्र 17 वर्षीय सार्थक टिकरिया की हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई स्कूल में प्रार्थना के दौरान अचानक हार्ट अटैक आने के कारण वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया उसे तुरंत जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक छात्र सार्थक के पिता छतरपुर के प्रतिष्ठित व्यवसाई हैं सार्थक तीन भाई बहनों में सबसे छोटा था सार्थक के पिता आलोक टिकरिया ने बेटे की स्मृतियों को बचाने के लिए उसके नेत्रदान का निर्णय लिया सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट की टीम को सूचित किया गया।

विधानसभा परिसर स्थित मंदिर में विधानसभा अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री ने किया पूजन अर्चन एवं वृक्षारोपण

भोपाल। विधानसभा परिसर स्थित भवानी शिव मंदिर में आज विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूजन अर्चन किया तत्पश्चात मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर माननीय मंत्रीगण, विधायकगण तथा विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री ए पी सिंह भी उपस्थित रहे। ? आज पूजन अर्चन के समय श्री गौतम ने बताया कि समाजसेवी श्री विनोद शुक्ला के अथक प्रयासों से ही मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हो सका। इसके लिए श्री गौतम ने श्री विनोद कुमार शुक्ला का आभार व्यक्त किया। इस पर श्री विनोद कुमार शुक्ला ने कहा कि इस मंदिर का पुनर्निर्माण कार्य मैंने अपने स्वर्गीय पिता जी पंडित श्री भैयालाल शुक्ला की स्मृति में अन्य सबके सहयोग से पूर्ण किया है। आज सदन की कार्यवाही स्थगित होने के पश्चात दोपहर में विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम, माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्री एवं विधायकगण, पत्रकार गण तथा बड़ी संख्या में विधानसभा के अधिकारी कर्मचारीगण विशाल भंडारे में सम्मिलित हुए तथा रीवा की देवतालाब विधानसभा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मंदिर के पूजन अर्चन एवं भंडारे में शामिल हुए।

चोरी गई ट्रॉली सहित आरोपी गिरफ्तार, सिंगोली पुलिस को मिली सफतला

सिंगोली। जिला पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार चोरी गए वाहनों की धरपकड़ अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमान अमित तोलानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमान सुंदर सिंह कनेश, एसडीओपी श्रीमान रामतिलक मालवीय के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी निरीक्षक के सी चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम सिंगोली को चोरी गये ट्रेक्टर की ट्रॉली कीमत 45000/-रूपये सहित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है दिनांक 12.05.2023 को फरियादी चंपा लाल पिता रामचंद्र राठौर निवासी सिंगोली ने पुलिस थाना सिंगोली पर रिपोर्ट लिखवाई कि उसके ट्रेक्टर की ट्रॉली दिनांक 26.04.2023 की रात को बाड़े में खड़ी थी जिसे अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए।

ट्रॉली एवं चोरी के आरोपी की तलाश निरंतर की जा रही थी जिस पर भौतिक साक्ष्य, सीसीटीसी फुटेज व मुखबिर से सूचना मिली कि कमलेश पिता मदनलाल रेगर निवासी कबरिया थाना सिंगोली जो कि तिलस्वा चौराहा सिंगोली पर है और उससे यदि पूछताछ की जाये तो ट्रॉली सहित अन्य चोरी की घटनाओं का खुलासा हो सकता है, जिस पर थाना प्रभारी निरीक्षक के सी चौहान ने टीम गठित कर कमलेश पिता मदनलाल रेगर उम्र 24 साल निवासी ग्राम कबरिया थाना सिंगोली को सिंगोली स्थित तिलसवा चौराहा से गिरफ्तार किया और पुलिस थाने पर पूछताछ करते उसने फरियादी के बाड़े से एक ट्रेक्टर की ट्रॉली कीमत 45000/- रूपये चोरी करना बताया जिस पर पुलिस थाना सिंगोली पर अपराध क्रमांक 60/23 भादवी की धारा आईपीसी 379 दर्ज किया जाकर आरोपी कमलेश रेगर को आज न्यायालय में पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक के सी चौहान एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

अमित शाह ने तय किया बीजेपी का चुनावी रोडमैप

प्रदेश के नेताओं से पूछा- हम कहां बेहतर, कहां कमजोर; प्रभारी भूपेंद्र यादव तैयार करेंगे रिपोर्ट

भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार देर शाम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मध्यप्रदेश बीजेपी के नेताओं के साथ अहम बैठक की। इसमें शाह ने इसी साल नवंबर-दिसंबर में होने वाले चुनाव के लिए सफलता का मंत्र दिया। करीब दो घंटे चली बैठक में शाह ने सभी विधानसभा सीटों की रिपोर्ट मांगी। ये भी पूछा कि कहां बीजेपी बेहतर है और कहां कमजोर? ये जानकारी कारणों के साथ देने का कहा गया है।

इसकी जिम्मेदारी बीजेपी के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव को सौंपी गई है। शाह ने यादव और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव को एक प्रारूप भी दिया है। इस प्रारूप के आधार पर हर विधानसभा क्षेत्र की जानकारी इकट्ठा की जाएगी। सूत्रों का दावा है कि शाह ने बूथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक अब तक की चुनावी तैयारी को लेकर समीक्षा की। बैठक में बाहरी राज्यों से आए विस्तारकों की रिपोर्ट पर भी मंथन हुआ। भोपाल पहुंचने पर शाह का स्वागत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने किया। बीजेपी के एक नेता के मुताबिक, चूंकि शाह की अगुवाई में यह पहली चुनावी बैठक हुई है इसलिए फिलहाल फीडबैक पर ही चर्चा की गई। बीजेपी ये भी देख रही है कि कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों खासकर मौजूदा विधायकों से कहां-कहां नाराजगी है?

जुलाई के दूसरे सप्ताह तक इन सारी रिपोर्ट्स पर प्रदेश के नेता काम करेंगे और जब शाह दोबारा आएंगे तो इनकी समीक्षा होगी। बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष की फीडबैक रिपोर्ट के आधार पर आगे की चुनावी रणनीति बनाई जाएगी। शाह के नेतृत्व में बैठक में तय हुआ है कि आने वाले चुनाव में बीजेपी किन मुद्दों और किस अंदाज में जनता के बीच जाएगी। शाह कई तरह के फीडबैक पहले ही हासिल कर चुके हैं। उन्होंने प्रदेश के नेताओं से भी स्थानीय मसलों पर बातचीत की है। बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रहलाद पटेल, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, सांसद फग्गन सिंह और राज्य के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा भी मौजूद रहे। बैठक के बाद शाह रात करीब 11.15 बजे दिल्ली रवाना हुए।

बैठक समाप्त होने के बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बताया, %प्रदेश की राजनीतिक परिस्थिति का गहराई के साथ सूक्ष्म विश्लेषण शाह के नेतृत्व में किया गया। मध्यप्रदेश चुनाव में विजय की रणनीति पर मंथन हुआ है। बीजेपी संगठन की सुदृढ़ता के साथ जिन कार्यक्रमों की हमने तैयारी की है, उनकी समीक्षा करने के बाद शाह ने ऐलान किया है कि मध्यप्रदेश में विजय संकल्प अभियान की शुरुआत की जाएगी। शर्मा ने कहा कि विजय संकल्प अभियान की तारीखों का ऐलान जल्द कर दिया जाएगा। बैठक में शाह ने मध्यप्रदेश की क्षेत्रवार राजनीतिक स्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने सियासी बयानबाजी और हालिया घटनाक्रमों को लेकर भी चर्चा की। किस तरह के राजनीतिक फैक्टर किस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, इन सब पर भी बारीकी से बात की। बता दें कि वर्ष 2023 में जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, उनमें से मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की मुख्य जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपी गई है, जबकि राजस्थान की बागडोर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा संभालेंगे। मध्यप्रदेश का चुनाव प्रभारी बनने पर भूपेंद्र यादव को दिल्ली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने बधाई दी थी। मध्यप्रदेश का चुनाव प्रभारी बनने पर भूपेंद्र यादव को दिल्ली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने बधाई दी थी। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को प्रभारी नियुक्त किया है जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सह प्रभारी बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री यादव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। पहले माना जा रहा था कि भूपेंद्र यादव को छत्तीसगढ़ का प्रभार मिल सकता है, लेकिन मध्यप्रदेश में गुटबाजी की खबरों के बीच उन्हें प्रभारी बनाया गया। जानकार कहते हैं कि भूपेंद्र यादव ने भले ही मध्यप्रदेश की प्रत्यक्ष तौर पर पहले कोई जिम्मेदारी नहीं संभाली, लेकिन वे यहां के नेताओं से लगातार संपर्क में रहते हैं।

पापा बहुत दर्द हो रहा है, प्लीज मुझे बचा लो...

बिजनेसमैन के 17 साल के बेटे की हार्ट अटैक से मौत; डॉक्टर बोले- 10 मिनट में पहुंचना जरूरी

छतरपुर। छतरपुर के नामी बिजनेसमैन आलोक टिकरिया के 17 साल के बेटे सार्थक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह 12वीं क्लास का छात्र था। सोमवार को इस सत्र में वह पहली बार स्कूल पहुंचा था, जहां प्रेयर के बाद क्लास में जाते समय उसके सीने में तेज दर्द हुआ। वह बेहोश होकर गिर गया। टीचर्स ने उसे सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दिया। इसके बाद पेरेंट्स को फोन किया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. अरविंद सिंह ने मौत की पुष्टि करते हुए परिवार को बताया कि बच्चे को कार्डियक अरेस्ट हुआ था। असमय ही बेटे के बिछड़ने के दुख से जूझते हुए परिवार ने उसका नेत्रदान किया है। सोमवार को सार्थक का स्कूल का पहला दिन था। उसने नई यूनिफॉर्म पहनकर पिता को फोटो भी सेंड की थी। सोमवार

को सार्थक का स्कूल का पहला दिन था। उसने नई यूनिफॉर्म पहनकर पिता को फोटो भी सेंड की थी। सार्थक के चाचा अरुण कुमार टिकरिया उर्फ राजू ने बताया- हम 8 भाई-बहन हैं। एक बहन रानी टिकरिया अमेरिका में, जबकि दूसरी वंदना कंथरिया झांसी में रहती है। हमारा संयुक्त परिवार है। हम सभी 6 भाई साथ में ही रहते हैं। परिवार में कुल 26 सदस्य हैं, इनमें माता जी समेत 13 बड़े और 13 बच्चे हैं। अब हमारा सबसे लाड़ला बच्चा सार्थक हमारे बीच नहीं रहा। सार्थक के पिता आलोक हमारे बड़े भाई हैं। परिवार में सार्थक की मां रीता, बहन स्वाति और भाई सौम्य हैं। सौम्य भुवनेश्वर में स्ड्ढ कर रहा है, जबकि बहन स्वाति नोएडा से स्ड्ढ कर रही है। सबसे छोटा सार्थक अभी 12वीं क्लास में था। सार्थक ने 10वीं तक की पढ़ाई छतरपुर के महर्षि विद्या मंदिर स्कूल से की थी। 11वीं उसने सुमित अकादमी से पास की। इसके बाद 12वीं में उसने डीसेंट स्कूल में एडमिशन ले लिया था। सार्थक का वेट 102द्मद्द था, हाइट 174 सेमी यानी 5.7 फीट थी। वो रोज जिम जाता था। उस दिन भी सुबह 5 बजे वह उठा और सबसे पहले जिम गया। 6 बजे वह जिम से लौटा। सावन सोमवार होने से नहाने के बाद शिवलिंग का निर्माण कर पूजन किया। नाश्ता किया और फिर स्कूल की नई यूनिफॉर्म पहनी। पिता घर पर नहीं थे, इसलिए फोटो खींची और उनको भेजी। इसके बाद वह स्कूल के लिए रवाना हो गया। स्कूल वालों ने बताया कि सार्थक ने इसी साल एडमिशन लिया था। सोमवार को स्कूल में उसका पहला दिन था। सुबह दूसरे बच्चों की तरह वह प्रेयर में शामिल हुआ। इसके बाद अपनी क्लास में जाने लगा।

अनूपपुर रोड पर सड़क दुर्घटना

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के कोयलांचल नगरी भालूमाड़ा थाना में पदस्थ एक पुलिस वाले की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को उसके गृह जिले धार भेज दिया। राकेश सिंह चौहान (28) भालूमाडा थाने में सूचना संकलन करते थे। राकेश सिंह चौहान अपने किसी काम से अपनी बाइक से अनूपपुर आ रहे थे। भोलगढ़ के पास अज्ञात वाहन ने पहले भैंस को टक्कर मारी, उसके बाद राकेश सिंह चौहान के वाहन को टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो गया। उनकी घटनास्थल पर ही दुखद निधन हो गया। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। वे मूलतः मप्र के धार जिले के रहने वाले थे, फिलहाल उनके शव को धार जिला उनके गृह ग्राम भेजा जा रहा है।

कूनो में मेल चीते तेजस की मौत

गर्दन पर घाव मिला, आपसी संघर्ष में मरने की आशंका; 4 महीने में 7वीं जान गई

श्योपुर। मध्य प्रदेश में श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में मंगलवार को एक और चीते तेजस की मौत हो गई। उसकी गर्दन पर घाव को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि चीतों के आपसी संघर्ष में तेजस की जान गई है। पीसीसीएफ जेएस चौहान ने बताया कि पोस्टमॉर्टम बुधवार सुबह किया जाएगा। कूनो में पिछले 4 महीने में मरने वाला ये 7वां चीता है। 70 साल बाद देश में चीतों की वापसी हुई थी, जब 17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन पर नामीबिया से आए 8 चीतों को कूनो नेशनल पार्क में रिलीज किया था। इस साल 18 फरवरी को साउथ अफ्रीका से 12 और चीतों को कूनो में छोड़ा गया था। यानी कुल मिलाकर नामीबिया और साउथ अफ्रीका से 20 चीते लाए गए। नामीबिया से लाई गई 4 साल की मादा चीता साशा की किडनी इन्फेक्शन से मौत हो गई। वन विभाग ने बताया कि 15 अगस्त 2022 को नामीबिया में साशा का ब्लड टेस्ट किया गया था, जिसमें क्रियेटिनिन का स्तर 400 से ज्यादा था। इससे ये

पुष्टि होती है कि साशा को किडनी की बीमारी भारत में लाने से पहले ही थी। साशा की मौत के बाद चीतों की संख्या घटकर 19 रह गई। नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था। इसके साथ ही कूनो में शावकों सहित चीतों की संख्या 23 हो गई। साउथ अफ्रीका से लाए गए चीते उदय की मौत हो गई। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में बताया गया कि चीता उदय की मौत कार्डियक आर्टरी फेल होने से हुई। मध्यप्रदेश के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन जेएस चौहान ने बताया कि हृदय धमनी में रक्त संचार रुकने के कारण चीते की मौत हुई। यह भी एक प्रकार का हार्ट अटैक है। इसके बाद कूनों में शावकों सहित चीतों की संख्या 22 रह गई। यह वीडियो कूनो नेशनल पार्क का है। नर चीता उदय चलते-चलते गिर जाता है।

साली ने की थी फौजी की गला रेतकर हत्या

ग्वालियर। ग्वालियर में आर्मी से रिटायर्ड फौजी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसकी कलाइयों की नसें काटी गईं। स्टील के घड़े से उसके सिर पर कई वार किए गए। हत्या के बाद से रिटायर्ड फौजी की साली गायब थी। पुलिस को उसी पर संदेह था। शव मिलने के 12 घंटे बाद सोमवार रात को आखिरकार वो पकड़ी गई। रिटायर्ड फौजी की हत्या उसकी साली ने ही की थी। वह समलैंगिक है। वह जीजा से नहीं, बल्कि बहन से प्यार करती थी। अपनी बहन के लिए दीवानी थी। दो बार वह बहन को प्यार का इजहार भी कर चुकी थी, लेकिन उसने कबूल नहीं किया था। एकतरफा प्यार में जीजा (रिटायर्ड फौजी) सबसे बड़ी रुकावट था। जीजा अक्सर उसकी बहन को पीटता था। इससे उसको बहुत तकलीफ होती थी। इसके बाद उसने जीजा को रास्ते से हटाने की ठान ली। हत्या वाली रात उसने जीजा के साथ बैठकर जमकर शराब पी। जीजा को जब इतना नशा हो गया कि उसकी जीभ लड़खड़ाने लगी और कदम डगमगाने लगे तो उसने गला रेतकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं गुस्से में उसकी कलाइयों पर कट मार दिया। साली को लगता था कि जीजा के कारण बहन उसका प्यार कबूल नहीं कर रही है।

हेडमास्टर ने हाईवे पर किए हवाई फायर

पुलिस चौकी लाई तो पूर्व मंत्री का नाम लेकर बोला- अजय विश्नोई का छोटा भाई हूं

जबलपुर। जबलपुर-नागपुर हाईवे पर हवाई फायरिंग कर रहे क्ष्छ्क नेता और उसके दो साथियों को पुलिस ने मंगलवार रात हिरासत में लिया। तीनों को धनवंतरी चौकी लाया गया। यहां क्ष्छ्क नेता से पुलिस ने नाम पूछा तो वे बोले- अजय विश्वनोई को फोन लगा लो। उनसे पूछना कि मुकेश दुबे के अजय विश्नोई कौन हैं? मैं सगा भाई हूं उनका। तीनों नशे की हालत में थे। अजय विश्नोई पाटन से क्ष्छ्क विधायक हैं। मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री रह चुके हैं। मुकेश दुबे क्ष्छ्क के सक्रिय कार्यकर्ता और उनके करीबी हैं। वे सरकारी स्कूल के हेडमास्टर भी हैं। उनके खिलाफ ष्ट्रू हेल्पलाइन में स्कूल न आने की शिकायत भी

हो चुकी है। क्ष्छ्क नेता ने रविवार रात को फायरिंग की थी। वीडियो मंगलवार को सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक व क्ष्छ्क नेता मुकेश दुबे (बीच में) और उनके दोनों साथियों पर केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक व क्ष्छ्क नेता मुकेश दुबे (बीच में) और उनके दोनों साथियों पर केस दर्ज कर लिया है।

मुकेश दुबे अपने दो साथियों के साथ हाईवे पर अंधमूक बायपास पर खड़े होकर लाइसेंसी रिवॉल्वर से हवाई फायरिंग कर रहे थे। पुलिस ने उनके अलावा सत्यम चक्रवर्ती और एक चौबे नाम के व्यक्ति को भी अरेस्ट किया है। क्ष्छ्क नेता की स्कॉर्पियो और पिस्टल भी जब्त की है। आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया गया है। जबलपुर-नागपुर हाईवे पर अंधमूक बायपास पर आरोपियों ने इसी लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग की। पुलिस ने पिस्टल और क्ष्छ्क नेता की स्कॉर्पियो को जब्त किया है। जबलपुर-नागपुर हाईवे पर अंधमूक बायपास पर आरोपियों ने इसी लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग की। पुलिस ने पिस्टल और क्ष्छ्क नेता की स्कॉर्पियो को जब्त किया है। पूर्व मंत्री और पाटन विधायक अजय विश्नोई को अपना बड़ा भाई बताने वाले मुकेश दुबे भाजपा नेता के साथ सरकारी टीचर भी हैं। वे पाटन विधानसभा अंतर्गत आने वाले शासकीय माध्यमिक स्कूल भीटा में हेडमास्टर हैं। 2002 से इस स्कूल में पदस्थ हैं। एक ग्रामीण ने बताया कि वे कभी - कभार ही स्कूल आते हैं। इसकी ष्ट्रू हेल्पलाइन में शिकायत भी की, लेकिन बाद में शिकायत बंद करवा दी गई। क्ष्छ्क नेता मुकेश दुबे शासकीय माध्यमिक स्कूल भीटा के इसी स्कूल में प्रधानाध्यापक हैं। उनके खिलाफ स्कूल नहीं आने पर ष्ट्रू हेल्पलाइन में शिकायत हो चुकी

इस एक्ट्रेस को चार बार हुआ प्यार!

एक बार सगाई टूटी, शादी का अंजाम तलाक हुआ, बेहद दुखभरी है इस बॉलीवुड हसीना की कहानी

कपूर खानदान की लाड़ली, जिसने सारे रूल्स तोड़ते हुए बॉलीवुड में कदम रखा था और अपनी एक्टिंग-डांस और स्माइल से सभी के दिलों पर राज किया. हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस करिश्मा कपूर की. करिश्मा की प्रोफेशनल लाइफ जितनी सक्सेसफुल रही, पर्सनल लाइफ में उन्होंने उतनी ही परेशानियों का सामना किया. सगाई टूटने से लेकर तलाक होने तक, करिश्मा की लव लाइफ खुशियों से भरी नहीं रही. करिश्मा कपूर का सबसे पहले नाम एक्टर अजय देवगन संग जुड़ा था. फिल्म शूटिंग के दौरान दोनों दोस्त बनें और करीब आए. रिपोर्ट्स थीं कि फिल्म 'जिगर' की शूटिंग के दौरान इनकी नजदीकियां बढ़ी थीं. हालांकि, करिश्मा ने हमेशा इसी बात पर जोर दिया कि अजय और वो सिर्फ एक अच्छे दोस्त थे.

करिश्मा कपूर का नाम गोविंदा और सलमान खान के साथ भी जुड़ा था. गोविंदा और सलमान संग करिश्मा की ऑन स्क्रीन जोड़ी को भी फैंस ने काफी पसंद किया था. बता दें कि करिश्मा कपूर ने अभिषेक बच्चन को डेट किया था. दोनों 5 साल तक रिलेशनशिप में थे. उनकी सगाई भी हो गई थी. बच्चन परिवार ने करिश्मा को फैमिली के तौर पर इंट्रोड्यूस भी कराया था. 2002 में करिश्मा और अभिषेक की सगाई की अनाउंसमेंट के बाद उन्होंने कुछ महीनों के बाद सगाई तोड़ दी थी.

करिश्मा कपूर ने बिजनेसमैन संजय कपूर संग 2003 में ग्रैंड सेरेमनी में शादी की थी. इस शादी से उन्हें दो बच्चे एक बेटा और एक बेटी है. लेकिन उनकी शादी चल नहीं पाई और वो अलग हो गए. उनका तलाक अच्छे नोट पर नहीं हुआ था. करिश्मा ने संजय पर कई गंभीर आरोप लगाए थे. करिश्मा ने संजय के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था. वहीं संजय ने भी एक्ट्रेस के खिलाफ कई केस दर्ज कराए थे. बता दें कि करिश्मा और संजय का तलाक 2016 में हुआ था. और करिश्मा को दोनों बच्चों की कस्टडी मिली थी. अब करिश्मा कपूर सिंगल हैं और अपने बच्चों के साथ अच्छी लाइफ स्पेंड कर रही हैं.

बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं उर्फी जावेद

एकता कपूर की इस फिल्म का मिला ऑफर!

उर्फी जावेद हर बार एक नया फैशन लेकर मीडिया में आती है। हर इवेंट में उनका लुक अपनी निगाहों को अपनी तरफ मोड़ लेता है, लेकिन इस बार एक्ट्रेस एक खास वजह से चर्चा में है। दरअसल, उर्फी के फैंस के लिए एक गुड न्यूज है। 'बिग बॉस ओटीटी' से सुर्खियों में आईं उर्फी अब बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी कर रही हैं। उन्हें फिल्म छरऊ2 में लीड रोल ऑफर हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में उर्फी के अलावा 'बिग बॉस 16' फेम एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया भी नजर आएंगी। निमृत को यह फिल्म शो के दौरान ही ऑफर हो गई थी, जब एकता एक टास्क लेकर बिग बॉस के घर में पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि फिल्ममेकर्स ने इस मूवी के लिए उर्फी को संपर्क किया है। हालांकि अभी तक एक्ट्रेस ने जवाब में क्या कहा है इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

क्या एलजीबीटीक्यू समुदाय पर आधारित हैं अक्षय कुमार की फिल्म

हुआ अब यह अहम खुलासा

अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित ओएमजी 2 फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर अफवाहें हैं कि यह एलजीबीटीक्यू समुदाय पर आधारित है। अब इस पर एक नया अपडेट आया है। ओएमजी 2 की कहानी को लेकर काफी बहस चल रही है। कई लोग इस बात के कयास लगा रहे हैं कि यह फिल्म एलजीबीटीक्यू समुदाय पर आधारित है। इस फिल्म में अक्षय कुमार भगवान शिव की भूमिका में नजर आ रहे हैं। हाल ही में, इस फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर जारी किये गये है। कई लोग इस बात के कयास लगा रहे हैं कि फिल्म का विषय समलैंगिकता पर आधारित है लेकिन खबर के अनुसार बिल्कुल भी ऐसा नहीं है। हाल ही में, फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। तबसे फैंस और ट्रेड एनालिस्ट इस बात के कयास लगा रहे हैं कि क्या यह फिल्म एलजीबीटीक्यू कम्युनिटी आधारित है। अब फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इस पर बात की है। उन्होंने कहा है, इस बीच, खबर आई है कि सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को रिवीजन कमेटी के पास भेजने का निर्णय लिया है ताकि फिल्म की और गहनता से विवेचना की जाए। ऐसा इसलिए भी किया जा रहा है कि हाल ही में, आदिपुरुष को लेकर हुए विवाद के बाद सेंसर बोर्ड की भूमिका पर भी संदेह किया गया था। इसके चलते, अब वह भी फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। ओएमजी 2 का निर्देशन अमित राय ने किया है। वह भी इस फिल्म की रिलीज की प्रतीक्षा कर रहे है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सएप्प नं 7977 40 8589 : Email -editor@rokthoklekhaninews.com .